THE MINISTER OF S TATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKARA MURTHY) : (a) and (b) As per information available with the Reserve Bank of India (RBI), the Kent Police Squad under the direction of Serious fraud Office of U.K. are investigating into the companies of the LETAP Group which defrauded the Indian banks. The banks involved are Canara Bank, Bank of Baroda, Syndicate Bank, Bank of India and UCO Bank. The fraud was perpetrated by the LETAP Group operating from U.K. and it went into liquidation in 1992. The extent of liabilities of the Group with the Indian banks as on 31-3-1994 has been estimated at U.S. £15 80 milion. RBI has also reported that officials of the Serious fraud Office came to India in September, 1994 for discussions about certain instructions issued by RBI.

Recovery of amount involved in Security Scandal

985. SHRI GAYA SINGH ;
SHRI GURUDAS DAS GUPTA :

Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether any steps have been taken to recover the amount nearing about Rs. 4000 crore involved in the Securities Scandal; and

(b) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKARA MURTHY : (a) and (b) In terms of the provisions contained in the Special Court (Trial of Offences relating to the Transactions in Securities) Act, 1992 the Custodian has attached assets of notified persons valued at about Rs. 2970 crores (provisional) as on 30-11-94. The actual amount which would be utilimately recovered would be known only after the claims are decided by the Special Court.

Pension from International Organisations to Senior Govt. Officers

986. SHRI N. GIRI PRASAD : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether any of the past or present Governors of RBI and senior government officials are in receipt of pension or any other compensation from IMF, IBRD or other international organisations ; and

(b) if so, the value of such pension and or other compensation, in Indian Rupees and US dollars before and after the rupee was made convertible ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKARA MURTHY) : (a) and (b) The informaion is being collected and will be laid on the Table of the House.

मुद्रा प्रसार

987. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में चालू वित्तीय वर्ष 1994-95 के पहले छः महीनों के दौरान मुद्रा प्रसार की दर में अत्यधिक वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि नहीं, तो मुद्रा प्रसार की दर में कितनी वृद्धि हुई है और क्रमशः मार्च, 1994 के अन्त तक और सितम्बर 1994 के अन्त तक मुद्रा प्रसार की कुल कितनी राशि थी ; और

(ग) छः महीनों की इस अवधि के दौरान इतना अधिक मुद्रा प्रसार करने के क्या कारण थे ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) से (ग) 31 मार्च, 1994 की तुलना में 30 सितम्बर, 1994 को मुद्रा प्रसार की दर में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है। 31 मार्च, 1994 को 85,343 हजार करोड़ रुपये और 30 सितम्बर, 1994 को 88,816 हजार करोड़ रुपये मुद्रा प्रसार में थी। मुद्रा प्रसार में वृद्धि का मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक की निवल विदेशी मुद्रा की संचित राशि में दर्शायी गई पूंजीगत अन्तर्प्रवाह का प्रवाह है।

Delinking of UTI from RBI and IDBI

988. SYED SIBTEY RAZI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether Social Audit Committee appointed by Unit Trust of India has demanded for delinking of UTI from the Reserve Bank of India and the Industrial Development Bank of India;

(b) if so, the details thereof with background for such demand;

(c) whether Government propose or take any action in the matter; and

(d) if so, details thereof and if not, reasons therefore ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKARA MURTHY) : (a) and (b) The Social Audit Committee in its reports on the Unit Trust of India has observed that in view of the curren economic liberalisation and existence of a number of mutual funds. It is desirable to delink UTI from the RBI & IDBI as continued links with them could impose constraints on the UTI.

(c) and (d) Government do not propose to take any action in the matter. The Report of the Social Audit Committee was ssubmitted to UTI and action, if any, would need therefore to be taken by UTI.

अप्रयुक्त विदेशी निधियां

989. श्री ईश दत्त यादव : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान विभिन्न समाचारपत्रों में छपे इस आशय के समाचार की ओर गया है कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त विदेश सहायता में से 72945 करोड़ रु० का उपयोग नहीं किया गया है ;

(ख) इस संबंध में तथ्य क्या है ;

(ग) प्रत्येक परियोजना से संबंधित अप्रयुक्त धनराशि के ब्यौरे सहित उन परियोजनाओं के नाम क्या हैं जिनके संबंध में विदेशी सहायता का उपयोग नहीं किया गया है ;

(घ) इस धनराशि का उपयोग न किये जाने के कारण क्या हैं : और

(ङ) सरकार द्वारा भविष्य में सम्पूर्ण धन राशि का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) और (ख) जी, हां। 31.3.94 की स्थिति के अनुसार असंवितरित सहायता राशि 78840.78 करोड़ रुपए थी जिसमें भूतपूर्व सोवियत संघ के साथ हस्ताक्षरित 24862.19 करोड़ रुपए की राशि शामिल है ;

(ग) एक विवरण अनुबंध-I में संलग्न है। [**देखिए परिशिष्ट 172, अनुपत्र सं. 26**]

(घ) परियोजना से सम्बद्ध सहायता राशि का उपयोग परियोजना की अवधि के दौरान ही किया जाता है। तथापि, आशा के विपरीत राशि के धीमी गति से उपयोग किए जाने के मुख्य कारणों में अपर्याप्त प्रावधान और प्रतिरूप वित्त पोषण करना, वसूली और संविदात्मक विलम्ब, आरम्भ किए जाने और अन्य प्रक्रियात्मक विलम्ब शामिल हैं।